श्रीसोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वेरावलम्

Report of Sensitization Workshop on SSIP 2.0 & Innovation in Sanskrit

दिनाङ्कः - 06.10.2022

श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय में स्टूडेंट स्टार्टअप रिसर्च एंड इन्नोवेशन फेस्टिवल के अंतर्गत 6 अक्टूबर 2022 को एक-दिवसीय स्टुडेंट स्टार्ट-अप एण्ड इन्नोवेश पोलिसी (SSIP) कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय तथा वेरावल के निकटवर्ती महाविद्यालयों के लगभग 170 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग ग्रहण किया।

कार्यशाला का उद्घाटन दीप प्रज्जावलन एवं वैदिक मन्त्रोच्चारण के साथ हुआ। इस कार्यशाला में श्रीसोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति डॉ. ललितकुमार पटेल की अध्यक्षता, वेरावल-पाटण नगरपालिका के पूर्व प्रमुख तथा सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नेशनल प्रेसिडेंट श्री जगदीश फोफण्डी की विशेष उपस्थिति तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम एक्सपर्ट श्री करण सरगरा की विशेष उपस्थिति रही। कार्यशाला के संयोजक तथा एसएसाआईपी कोऑर्डिनेटर डॉ. जानकीशरण आचार्य ने उपस्थित महानुभावों का स्वागत पूर्वक परिचय प्रदान किया तथा इस इस कार्यशाला की प्रस्तावना प्रस्तुत की। उन्होंने विद्यार्थियों को स्टार्टअप तथा अनुसंधान के लिए विश्वविद्यालय के द्वारा जिस प्रकार से आर्थिक अनुदान एवं मार्गदर्शन दिया जा रहा है, उसके बारे में बताया।

विशिष्ट अतिथि श्री जगदीश फोफण्डी ने एक उद्यमी के तौर पर अपनी जीवन यात्रा के कुछ अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए बताया कि संस्कृत के क्षेत्र में स्टार्ट-अप एवं अनुसंधान की बहुत संभावनाएं हैं। संस्कृत विश्वविद्यालयों के छात्रों को विभिन्न प्रकार के उद्योगों का प्रत्यक्ष भ्रमण करके वहां किस प्रकार के अनुसंधान एवं स्टार्ट-अप की आवश्यकता है, इसके बारे में जानना चाहिए। एक उद्यमी के तौर पर मैं ऐसे विद्यार्थियों का स्वागत करता हूँ तथा विश्वविद्यालय को हरसम्भव सहायता देने का प्रयास करूंगा।

आमंत्रित वक्ता के रूप में श्री करण सरगरा ने अपने वक्तव्य में छात्रों को बताया कि युग के अनुरूप अभी अनुसंधान और स्टार्टअप बहुत ही आवश्यक है। स्टार्ट-अप एवं अनुसन्धान से विद्यार्थी रोजगार लेने के बजाय देनेवाले बन सकते हैं। विश्वविद्यालय के परिसर में अनुसंधान करने की प्रवृत्ति बढाने के लिए इनोवेशन क्लब के माध्यम से सतत चर्चा विमर्श होते रहना चाहिए। उन्होंने जय जवान जय किसान जय विज्ञान के साथ में जय अनुसंधान इस उद्घोष का समर्थन करते हुए अनुसंधान के विविध आयामों तथा एसएसआईपी के अंतर्गत किस प्रकार से छात्र स्टार्टअप के लिए प्रस्ताव रख कर कार्य करें, इस विषय में मार्गदर्शन किया। अपने व्यख्यान के अन्त में श्री करण सरगरा ने छात्रों के साथ संवाद करके उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

कार्यशाला के अंत में कार्यकारी कुलपति डॉ. ललितकुमार पटेल ने उद्बोधन दिया। उन्होंने उपस्थित सभी छात्रों और उनके मार्गदर्शक अध्यापकों से निवेदन किया कि वह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षण के प्रत्येक क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान की प्रवृत्ति को बढ़ावा दें। विश्वविद्यालय इस प्रकार के अनुसंधान और स्टार्ट-अप को सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। कार्यशाला के अंत में प्राचार्य डॉ. नरेंद्रकुमार पण्ड्या ने रुचिकर धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यशाला का मंच संचालन सुश्री अपूर्व अग्रवाल ने किया तथा समग्र कार्यशाला का संयोजन डॉ. जानकीशरण आचार्य ने किया।